DHYEYA IAS
most trusted since 2003
DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims
25 फरवरी 2023

काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान

प्रसंग

हाल ही में, केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने मार्च 2022 में काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिजर्व में आयोजित राइनो जनसंख्या गणना पर "तथ्यात्मक रिपोर्ट" मांगी।

मुख्य विशेषताएं:

- राष्ट्रीय उद्यान के गणना की डेटा शीट से पता चला है कि गैंडों की वास्तविक संख्या 2,042 थी।
- लेकिन 2018 में अनुमानित 2,413 गैंडों की तुलना में 200 की वृद्धि (2,613 गैंडों को) दिखाने के लिए कुछ यादृच्छिक रूप से एक नमूना सर्वेक्षण के बाद आकड़ो को समायोजित किया गया था ।

काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान:

- यह भारत के असम राज्य के गोलाघाट, कार्बी आंगलोंग और नागांव जिलों में स्थित है।
- काजीरंगा का पूरा क्षेत्र - ब्रह्मपुत्र और उसकी सहायक नदियों के जलोढ़ निक्षेपों द्वारा निर्मित है।
- डिप्लू नदी काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान से होकर गुजरती है।

अंतर्राष्ट्रीय स्थिति: अभयारण्य, जो दुनिया के दो-तिहाई एक सींग वाले गैंडों की मेजबानी करता है, एक विश्व विरासत स्थल है।

विधिक स्थिति:

- इसे भारत सरकार द्वारा 1974 में राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया था।
- काजीरंगा दुनिया में संरक्षित क्षेत्रों के बीच बाघों के उच्चतम घनत्व का प्रतिनिधित्व करता है, और इसे 2006 में टाइगर रिजर्व घोषित किया गया था (अब उच्चतम बाघ घनत्व जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क, उत्तराखंड में है)।
- **वनस्पति:** जलोढ़ जलोढ़ घास के मैदान, जलोढ़ सवाना वुडलैंड्स, उष्णकटिबंधीय नम मिश्रित पर्णपाती वन, और उष्णकटिबंधीय अर्ध-सदाबहार वन यहां पाए जा सकते हैं।

जीव :यह करिश्माई 'बिगफाइव' ग्रेट इंडियन एक सींग वाले गैंडे, एशियाई जंगली भैंस, एशियाई हाथी, दलदली हिरण और रॉयल बंगाल टाइगर के लिए प्रसिद्ध है।

भारतीय गैंडा:

- भारतीय गैंडा (Rhinoceros unicornis) एशिया के तीन गैंडों तथा अफ्रीकी सफेद गैंडों के साथ में सबसे बड़ा है।
- इसकी भूरी-भूरी खाल और त्वचा की सिलवटों के साथ इसका एकल काला सींग इसकी पहचान करता है, जो इसे एक कवच-चढ़ा हुआ रूप देता है।

वितरण:

- भारतीय गैंडे केवल ब्रह्मपुत्र घाटी, उत्तरी बंगाल के कुछ हिस्सों और दक्षिणी नेपाल के कुछ हिस्सों में पाए जाते हैं।
- भारत में, गैंडे मुख्य रूप से काजीरंगा एनपी, पोबितोरा डब्ल्यूएलएस, ओरंग एनपी, असम में मानस एनपी, पश्चिम बंगाल में जलदापारा एनपी और गोरुमारा एनपी उत्तर प्रदेश में दुधवा टीआर में पाए जाते हैं।

जनसंख्या:

- डब्ल्यूडब्ल्यूएफ के अनुसार, आज जंगलों में लगभग 3,700 भारतीय गैंडे हैं।

अकेले असम के काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान (केएनपी) में 2,613 जानवर हैं।

- ओरंग, पोबितोरा और मानस पार्कों में 250 से अधिक अन्य गैंडे हैं।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- कुम्भी, भारतीय करौदा, कपास के पेड़, और हाथी सेब पार्क के प्रसिद्ध पेड़ों में से कुछ हैं।

संरक्षण की स्थिति :

- IUCN लाल सूची- संवेदनशील।
- वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972- अनुसूची I
- साइट्स- परिशिष्ट I।

हेट स्पीच

प्रसंग

हाल ही में, सर्वोच्च न्यायालय ने एक राजनीतिक दल के सदस्य को अंतरिम जमानत दी, जिसे असम पुलिस द्वारा कथित हेट स्पीच के लिए गिरफ्तार किया गया था।

मुख्य विशेषताएं:

- सदस्य के विरुद्ध आईपीसी की धाराओं 153ए, 505 और 295ए के तहत मामला दर्ज किया गया था।
- अभिव्यक्ति की आज़ादी को प्रतिबंधित करने और राजनीतिक उद्देश्यों के लिए कानूनी प्रक्रियाओं का

- **IPC की धारा 153A और 153B: दो** समूहों के बीच दुश्मनी और नफरत पैदा करने वाले कृत्यों को दंडित करती है।
- आईपीसी की धारा 295ए: ऐसे दंडनीय कृत्यों से संबंधित है जो जानबूझकर या दुर्भावनापूर्ण इरादे से व्यक्तियों के एक वर्ग की धार्मिक भावनाओं को ठेस

दुरुपयोग करने के लिए अक्सर इन कानूनों के आह्वान की आलोचना की जाती है।

हेट स्पीच के संबंध में भारतीय कानून:

- 'हेट स्पीच' की कोई विशिष्ट कानूनी परिभाषा नहीं है।
- भारत के विधि आयोग की 267वीं रिपोर्ट में, हेट स्पीच को मुख्य रूप से नस्ल, जातीयता, लिंग, यौन अभिविन्यास, धार्मिक विश्वास और इसी तरह के संदर्भ में परिभाषित व्यक्तियों के एक समूह के खिलाफ घृणा के लिए उकसाने के रूप में वर्णित किया गया है।
- **धारा 505(1) और 505(2):** ऐसी सामग्री के प्रकाशन और प्रसार को अपराध बनाएं जो विभिन्न समूहों के बीच दुर्भावना या घृणा पैदा कर सकती है।
- **आरपीए अधिनियम 1951 की धारा 8:** अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अवैध उपयोग के दोषी व्यक्ति को चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित करता है।
- **आरपीए की धारा 123(3ए) और 125:** चुनावों के संदर्भ में नस्ल, धर्म, समुदाय, जाति या भाषा के आधार पर शत्रुता को बढ़ावा देने पर रोक लगाती है और इसे भ्रष्ट चुनावी प्रथाओं के तहत शामिल करती है।

जूट पैकेजिंग सामग्री के लिए मानदंड

प्रसंग

भारत सरकार ने जूट वर्ष 2022-23 के लिए चावल, गेहूं और चीनी की पैकेजिंग में जूट के अनिवार्य उपयोग के लिए आरक्षण मानदंडों को मंजूरी दी।

मुख्य विशेषताएं:

- अनिवार्य मानदंड खाद्यान्नों की पैकेजिंग के लिए 100% आरक्षण और जूट की थैलियों में चीनी की पैकेजिंग के लिए 20% आरक्षण प्रदान करते हैं।
- यह पश्चिम बंगाल में जूट उद्योग को बढ़ावा होगा। ध्यातव्य है कि जूट मिलें ,लाखों श्रमिकों को आजीविका प्रदान करती हैं
- यह जूट क्षेत्र में 40 लाख किसान परिवारों का समर्थन करेगा।
- इस फैसले से बिहार, ओडिशा, असम, त्रिपुरा, मेघालय, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में जूट क्षेत्र को भी मदद मिलेगी।

जेपीएम अधिनियम 1987 के बारे में:

- जेपीएम अधिनियम के तहत आरक्षण मानदंड 3.70 लाख श्रमिकों को प्रत्यक्ष रोजगार प्रदान करते हैं और जूट क्षेत्र में लगभग 40 लाख किसान परिवारों के

भारत में जूट उत्पादन:

- भारत जूट का सबसे बड़ा उत्पादक है जिसके बाद बांग्लादेश और चीन का स्थान है।
- इसे गोल्डन फाइबर के रूप में भी जाना जाता है और यह भारत में कपास के बाद सबसे महत्वपूर्ण उद्योगों में से एक है
- बांग्लादेश रकबा और व्यापार के मामले में सूची में सबसे ऊपर है क्योंकि भारत के 7% की तुलना में बांग्लादेश वैश्विक जूट निर्यात का तीन-चौथाई भाग का प्रतिनिधित्व करता है।
- प्रमुख जूट उत्पादक राज्य पश्चिम बंगाल, बिहार, ओडिशा, असम, आंध्र प्रदेश, मेघालय और त्रिपुरा हैं।
- हालांकि भारत के कुल उत्पादन का 99% पश्चिम बंगाल, बिहार और असम के पास है।
- यह 24 डिग्री सेल्सियस से 37 डिग्री सेल्सियस के

हितों की रक्षा करते हैं।

- जेपीएम अधिनियम, 1987 जूट किसानों, श्रमिकों और जूट के सामान के उत्पादन में लगे व्यक्तियों के हितों की रक्षा करता है।
- जूट उद्योग के कुल उत्पादन का 75% जूट सैकिंग बैग है, जिसमें से 85% की आपूर्ति भारतीय खाद्य निगम (FCI) और राज्य खरीद एजेंसियों (SPAs) को की जाती है और शेष को सीधे निर्यात/बेचा जाता है।
- सरकार, हर साल खाद्यान्न की पैकिंग के लिए लगभग रु.9,000 करोड़ का जूट सैकिंग बैग खरीदा।
- यह जूट किसानों और श्रमिकों की उपज के लिए एक गारंटीकृत बाजार सुनिश्चित करता है।
- आरक्षण मानदंड भारत में कच्चे जूट और जूट पैकेजिंग सामग्री के घरेलू उत्पादन के हित को आगे बढ़ाएंगे।
- यह पर्यावरण की रक्षा में भी मदद करेगा क्योंकि जूट एक प्राकृतिक, जैव-अवक्रमणीय, नवीकरणीय और पुन: प्रयोज्य फाइबर है और इसलिए सभी स्थिरता मानकों को पूरा करता है।

बीच तापमान वाले गर्म और नम जलवायु में बढ़ता है।

- यह पूरी तरह से बायोडिग्रेडेबल और रिसाइकिल करने योग्य है। यह न केवल कार्बन डाइऑक्साइड का उपभोग करता है और ऑक्सीजन छोड़ता है बल्कि फसल चक्र में उगाए जाने पर मिट्टी की उर्वरता भी बढ़ाता है।

जूट क्षेत्र के लिए की गई पहलें:

- सरकार ने लगभग 4 लाख श्रमिकों और 40 लाख किसान परिवारों के हितों की रक्षा के लिए जूट पैकेजिंग सामग्री अधिनियम, 1987 अधिनियमन किया था ।
- जूट क्षेत्र में पारदर्शिता लाने के लिए 2016 में एक ई-गवर्नमेंट पहल जूट स्मार्ट की शुरुआत की गई थी।
- जूट भू-वस्त्र (जेजीटी) को विशेष उपचार और बुनाई प्रक्रियाओं के माध्यम से बनाया जा सकता है।
- मिट्टी के कटाव नियंत्रण, सिविल इंजीनियरिंग, नदी के किनारों की सुरक्षा और सड़क फुटपाथ निर्माण सहित कई क्षेत्रों में JGT लागू किया जा सकता है।

संक्षिप्त सुर्खियां

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ)

संदर्भ

हाल ही में, IMF की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था अकेले इस वर्ष वैश्विक विकास में 15 प्रतिशत का योगदान देगी, क्योंकि देश विश्व अर्थव्यवस्था में एक सापेक्ष "ब्राइट स्पॉट " बना हुआ है।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ)

- IMF एक अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थान है, इसकी स्थापना 1944 में ब्रेटन वुड्स सम्मेलन में विश्व बैंक के साथ की गई थी।
- मुख्यालय - वाशिंगटन, डी.सी.
- इसमें 190 देश शामिल हैं।
- यह वैश्विक मौद्रिक सहयोग को बढ़ावा देने, वित्तीय स्थिरता को सुरक्षित करने और

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को सुविधाजनक बनाने के लिए काम करता है।

भागीदारी के क्षेत्र:

- विनिमय दर, मुद्रा, तरल संपत्ति, विशेष आहरण अधिकार
- भुगतान संतुलन कठिनाइयों और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संकट के प्रबंधन में एक केंद्रीय भूमिका निभाता है।

प्रकाशन: वैश्विक वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट, विश्व आर्थिक आउटलुक, क्षेत्रीय आर्थिक आउटलुक, प्रबंध निदेशक की वैश्विक नीति एजेंडा।

मालाबार अभ्यास

सन्दर्भ

इस वर्ष पहली बार ऑस्ट्रेलिया ,मालाबार बहुपक्षीय नौसैनिक अभ्यास की मेजबानी करेगा, जिसमें भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान और अमेरिका शामिल हैं।

मालाबार अभ्यास के बारे में:

- जापान ने मालाबार के अंतिम संस्करण की मेजबानी की जो नवंबर 2022 में आयोजित किया गया था। ध्यातव्य है कि 2022 में मालाबार अभ्यास के 30 वर्ष पूरे हुए।
- मालाबार एक बहुपक्षीय नौसैनिक अभ्यास है जिसे 1992 में शुरू किया गया था।
- यह भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका की नौसेनाओं के बीच एक द्विपक्षीय अभ्यास के रूप में शुरू हुआ।
- 1995 और 1996 में अभ्यास के दो और संस्करण किए गए, हालाँकि इसके बाद भारत के परमाणु परीक्षणों के बाद यह 2002 तक रुका था ।
- 2002 से, अभ्यास हर साल आयोजित किया गया है।
- जापान और ऑस्ट्रेलिया ने पहली बार 2007 में भाग लिया था, और 2014 से, भारत, अमेरिका और जापान ने हर साल अभ्यास में भाग लिया है।
- पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ गतिरोध के बीच 2020 में ऑस्ट्रेलिया को पूर्व मालाबार के स्थायी सदस्य के रूप में शामिल किया गया था।

डेंगू के प्रकोप पर आपातकाल

प्रसंग

पेरू ने डेंगू के प्रकोप के कारण देश के उत्तर, मध्य और दक्षिण पूर्व में 13 विभागों में "स्वास्थ्य आपातकाल" घोषित किया है।

मुख्य विशेषताएं:

- इससे पहले इसके पड़ोसी बोलीविया ने भी 6,800 से अधिक मामलों और 26 मौतों की संचयी संख्या के साथ स्वास्थ्य चेतावनी घोषित की थी।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, डेंगू बुखार शीर्ष दस वैश्विक स्वास्थ्य खतरों में से

	एक है और यह सबसे तेजी से फैलने वाला खतरा भी है। • पिछले 50 वर्षों में वैश्विक घटनाओं में 30 गुना वृद्धि हुई है। • डेंगू बुखार मुख्य रूप से एडीज एजिप्टी मच्छरों द्वारा प्रसारित वायरस के कारण होता है। • ये मच्छर दिन में आमतौर पर सूर्योदय के तुरंत बाद और सूर्यास्त के आसपास काटते हैं, । • डेंगू के सामान्य लक्षणों में बुखार, दाने, मतली और दर्द और दर्द शामिल हैं, जो एक सप्ताह तक रहता है। डेंगू से पीड़ित कुछ लोगों में जटिलताएं विकसित हो जाती हैं जिसके परिणामस्वरूप आंतरिक रक्तस्राव, सदमा और यहां तक कि मृत्यु भी हो सकती है। • गंभीर डेंगू से प्रभावित लगभग 2.5% लोगो की इस बीमारी से मृत्यु हो जाती हैं। इसके संक्रमण का कोई इलाज नहीं है।
जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप (JWST)	**प्रसंग** हाल ही में, जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप (JWST) ने बिग बैंग के लगभग 500-700 मिलियन वर्ष बाद निर्मित छह असाधारण विशाल पहली पीढ़ी की आकाशगंगाओं की खोज की। **जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप** • नासा, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) और कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी (सीएसए) के बीच एक अंतरराष्ट्रीय साझेदारी के तहत टेलीस्कोप विकसित किया गया है। • इसे 25 दिसंबर, 2021 को एक रॉकेट से प्रक्षेपित किया गया था। • यह पृथ्वी से 1.5 मिलियन किलोमीटर (9,30,000 मील) की दूरी पर एक चौकी की ओर जाता है। • यह वर्तमान में अंतरिक्ष में एक बिंदु पर है जिसे सूर्य-पृथ्वी L2 लग्रेंज बिंदु के रूप में जाना जाता है। • L2 सूर्य के चारों ओर पृथ्वी की कक्षा से लगभग 1.5 मिलियन किमी दूर है। • यह हबल टेलीस्कोप का उत्तराधिकारी है। • टेलीस्कोप बहिर्ग्रहों की व्यापक विविधता के वातावरण का अध्ययन करेगा • यह पृथ्वी के समान वायुमंडल की भी खोज करेगा, और जीवन के निर्माण खंडों को खोजने की उम्मीद में मीथेन, पानी, ऑक्सीजन, कार्बन डाइऑक्साइड और जटिल कार्बनिक अणुओं जैसे प्रमुख पदार्थों की भी खोज करेगा।
औषधीय पौधा	**प्रसंग** असमिया में आमतौर पर बोरथेकेरा कहे जाने वाले औषधीय पौधे में कार्डियो

सुरक्षात्मक क्षमता पाई जाती है।

मुख्य विशेषताएं:

- विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के एक स्वायत्त संस्थान, इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडी इन साइंस एंड टेक्नोलॉजी (आईएएसएसटी) के वैज्ञानिकों ने इस औषधीय पौधे की क्षमता का पता लगाया है।
- Garcinia Pedunculata, परंपरागत रूप से कच्चे उपभोग के लिए वर्जित है। इस पौधे में हृदय रोग से निदान के लक्षण पाए जाते हैं।
- पके फल की धूप में सुखाई गई फांकों का उपयोग भोजन पकाने और औषधीय प्रयोजनों के लिए किया जाता है।
- कई अध्ययनों से पता चला है कि जी. पेडुनकुलता एंटीऑक्सीडेंट का एक समृद्ध स्रोत है। हालाँकि, अभी कार्डियो सुरक्षात्मक क्षमता का पता लगाया जाना बाकी था।

आईसीएआर ने विकसित की जलवायु-स्मार्ट गेहूं की किस्म

प्रसंग

आईसीएआर ने गेहूं की एक नई किस्म विकसित की है जो मौसम के पैटर्न में बदलाव और बढ़ती गर्मी के स्तर के कारण उत्पन्न होने वाली चुनौतियों को दूर कर सकती है।

मुख्य विशेषताएं:

- देश भर में तेजी से बढ़ते तापमान स्तर के बीच, भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने आगाह किया था कि पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में तापमान में वृद्धि गेहूं की फसल को नुकसान पहुंचा सकती है।
- इसके बाद केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने विकासशील स्थिति और वर्तमान गेहूं की फसल पर इसके प्रभावों की निगरानी के लिए एक समिति का गठन किया।
- भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने गेहूं की एक नई किस्म विकसित की है
- यह मौसम के मिजाज में बदलाव और बढ़ती गर्मी के स्तर के कारण उत्पन्न होने वाली चुनौतियों पर काबू पा सकता है।
- • एचडी-3385 नामक गेहूं की यह नई किस्म जल्दी बुवाई के लिए अनुकूल है, गर्मी के प्रकोप के प्रभाव से बचती है और मार्च के अंत से पहले काटा जा सकता है।

युद्ध की पर्यावरणीय लागत

प्रसंग

यूक्रेन में संघर्ष ने पर्यावरणीय लागतों को बढ़ा दिया है। यह लागत वास्तविक युद्ध की क्षतियों से बहुत अधिक है।

मुख्य विशेषताएं:

- संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के आंकड़ों के अनुसार, परमाणु ऊर्जा, ऊर्जा अवसंरचना, तेल भंडारण टैंकरों से होने वाले रूस -यूक्रेन संघर्ष ने देश के कई क्षेत्रों को व्यापक रूप से नुक्सान पहुंचाया है ।

	• इस संघर्ष का परिणाम कई वायु प्रदूषण की घटनाओं और भूजल और सतही जल के संभावित गंभीर संदूषण के रूप में सामने आया है। • 2 मिलियन हेक्टेयर से अधिक वन नष्ट हो गए हैं, पारिस्थितिक तंत्र नष्ट हो गए हैं और पर्ल कॉर्नफ्लॉवर जैसी दुर्लभ स्थानिक प्रजातियों को खतरे में डाल दिया है। • यह अनुमान लगाया जा रहा है कि रूस के आक्रमण से लगभग 33 मिलियन टन CO2 का उत्सर्जन संघर्ष होगा। • यह भविष्यवाणी की गई है कि युद्ध के दौरान नष्ट या क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे और इमारतों के पुनर्निर्माण से 49 मिलियन टन CO2 का उत्सर्जन हो सकता है। • पुनर्निर्माण के लिए संभावित कार्बन लागत, मोटे तौर पर 2020 में ग्रीस या बेलारूस के कार्बन फुटप्रिंट के बराबर है।

MCQ, Current Affairs, Daily Pre Pare